- 20th Year
- Issue: 176
- 04.11.2026 (WESNESDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH



आंध्र के तटीय जिलों में १२० किमी की रफ्तार से टकराया चक्रवात

अमरावती ०३/११ (संवाददाता): गंभीर चक्रवाती तूफान 'मुरासु' ने मंगलवार तड़के आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में भारी तबाही मचाई जहां हजारों पेड़ उखड़ गए, बिजली के सैकड़ों खंभे और मछुआरों की नौकाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। बापटला और प्रकाशम सहित कई जिलों में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है और कई इलाके पानी में डूब गए हैं। प्रकाशम जिले के कोठापतनम के एक मछुआरे कृष्णज़्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''पिछले 14 वर्षों में हमने इतना खतरनाक चक्रवात नहीं देखा।

सरकार ने हमारी काफी मदद की और गांव के करीब 400 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने भी हमें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की।''

एसआईआर पर विशेष सत्र के लिए तैयार, गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को दी बहस की चुनौती

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस ने संसद का मज़ाक उड़ाते हुए हमेशा असंवैधानिक और समानांतर संसदों का समर्थन किया है। शाह ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार, संसद के विशेष सत्र में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए हर आरोप का जवाब देने के लिए तैयार है। शाह ने छज़ीसगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कांग्रेस पार्टी ने एक %नकली संसद% बनाकर और बहस का ढोंग रचकर असली संसद का मज़ाक उड़ाया है।



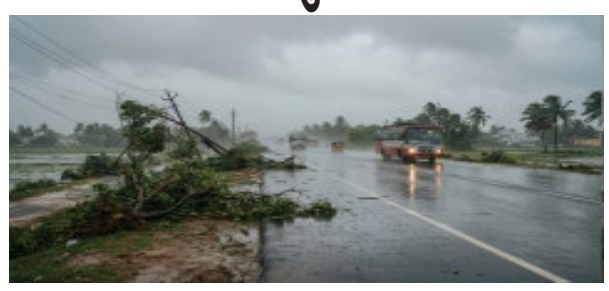
राहुल गांधी, मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि नरेंद्र मोदी सरकार हर एक मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है। हम चर्चा करने के लिए एक विशेष सत्र बुलाने को भी तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि गांधी संसद को काम करने से रोक रहे हैं।

उन्होंने कहा आपने संसद को ठप कर दिया है। एक तरह से आपने इसे बंधक बना लिया है। अब, संसद को काम करने दें और उचित बहस होने दें। तब देश की जनता खुद देख लेगी कि कौन सच बोल रहा है और कौन नहीं। पार्टी ने आगे कहा कि कांग्रेस और विपक्ष लोकतांत्रिक तरीकों से सज़ा हासिल करने के बजाय एक अराजक मॉडल पर काम कर रहे हैं, जिसमें सज़ा परिवर्तन और तज़्तापलट शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक टेलीविजन स्टिंग ऑपरेशन से देश में हिंसक विरोध-प्रदर्शन भड़काने की कोशिशों का खुलासा हुआ है।

अमित शाह ने आगे कहा कि जो लंबे लेख लिखकर सलाह देते थे, उनका हिज़्मत नहीं थी कि वे यहां आकर रहें।

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से नज़्सलवाद का समर्थन किया। 2010 में पी चिदंबरम ने कहा था कि नज़्सलियों को हथियार रखने की जरूरत नहीं है, आप उत्पात नहीं करिए गोली नहीं चलाएंगे। मैंने संसद में कहा था जिन्हें सरेंडर करना है। आइए हम उन्हें मेनस्ट्रीम में लाएंगे, वरना हमारे जवान उनसे दो दो हाथ करेंगे। जो कानून तोड़ता है उसे नागरिकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल सीधा करने का काम करेगी, चाहे वह नॉर्थ ईस्ट हो, बस्तर हो या कश्मीर। उनका अलग मंत्रालय होता था।

चक्रवात मुरासु के असर से ओड़िशा में बारिश, १.६० लाख लोग सुरक्षित निकाले गए



भुवनेश्वर ०३/११ (संवाददाता): आंध्र प्रदेश के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान 'मुरासु' के टकराने के बाद ओडिशा के दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश हुई और राज्य सरकार ने क्षेत्र के सभी जिलाधिकारियों को किसी भी प्रतिकूल मौसम स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कोरापुट, मलकानगिरि, कंधमाल, कालाहांडी और कई अन्य जिलों के जिलाधिकारियों ने हल्की बारिश की सूचना दी है। उन्होंने कहा, ''हम आशा करते हैं स्थिति प्रतिकूल नहीं होगी।'' मंत्री ने कहा कि राज्य लगातार हाई अलर्ट पर है ज़्योंकि पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन ओडिशा के लिए एक बड़ी चुनौती बन रहा है।

उन्होंने कहा, ''हम हाई अलर्ट पर हैं और मौसम की स्थिति को देखते हुए पहाड़ी इलाकों के लोग कुछ समय तक आश्रय स्थलों में ही रहेंगे।'' भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा भारी बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान को देखते हुए राज्य सरकार ने दक्षिण क्षेत्र के पांच जिलों में 1.60 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपदा प्रतिक्रिया टीम को तैनात किया है।

उच्च स्तरीय बहस समझदार लोगों में होती है, राहुल के विदेशी मदद वाले बयान पर रिजिजू का पलटवार

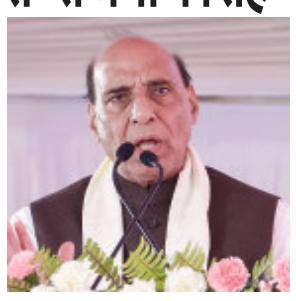
नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गई %खुली बहस% की चुनौती पर उन पर निशाना साधा और कांग्रेस सांसद पर भारत के दुश्मनों के एजेंडे का समर्थन करने का आरोप लगाया। केंद्रीय अल्पसंज्यक मामलों के मंत्री रिजिजू ने एज़्स पर लिखा यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे इस्लामी कट्टरपंथी धर्मनिरपेक्षता की बात करें, अलगाववादी भारतीय झंडा थामें, या अराजकतावादी संविधान की किताब दिखाएं। अरुणाचल पश्चिम से लोकसभा सांसद ने आगे कहा भारत के दुश्मनों के एजेंडे को आगे बढ़ाना और फिर दूसरों पर विदेशी समर्थन लेने का आरोप लगाना, खुद का ही मज़ाक उड़ाने जैसा है। उच्च-स्तरीय बहसें समझदार और परिपक्व लोगों के बीच होती



हैं। एक दिन पहले, गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी और आरोप लगाया कि वे विदेशी मदद से भारत के प्रधानमंत्री बने हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पूरी विज़ीय व्यवस्था विदेशियों द्वारा पूरी तरह से नियंत्रित और समर्थित है। उन्होंने प्रधानमंत्री से देश से झूठ बोलना बंद करने को कहा। गांधी ने एज़्स पर लिखा,आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने। आप विदेशी मदद की वजह से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूँ। कोई भी मंच हो, कोई भी समय हो। अगर आपमें हिज़्मत है, तो सामने आइए। लेकिन आप ऐसा करने की हिज़्मत नहीं करेंगे, ज़्योंकि आप इस बात से डरे हुए हैं कि मुझे आपके बारे में ज़्या-ज़्या पता है। राहुल गांधी, पीएम मोदी की शनिवार को की गई उस टिप्पणी का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि देश को बांटने के लिए कुछ बाधा डालने वाली ताकतें कोशिश कर रही हैं। उन्होंने विपक्ष पर संवैधानिक नियमों का उल्लंघन करने का आरोप भी लगाया था। उन्होंने कहा था जब देश बाहरी चुनौतियों का समाधान ढूंढ रहा था, तब देश के भीतर ही कुछ ताकतें झूठ और अफवाहें फैलाकर अस्थिरता पैदा कर रही थीं। लेकिन देशवासी, राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। उन्होंने आगे कहा यह हमारा दुर्भाग्य है कि इस समय देश में विपक्ष, विरोध पक्ष के बजाय अवरोध पक्ष बन गया है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बाहरी निर्भरता रोकने के लिए जरुरी-राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत के 'आत्मनिर्भरता' के प्रयास को प्रौद्योगिकीय संप्रभुता हासिल करने के उपक्रम के रूप में समझना चाहिए। सिंह ने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि रक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण जरूरतें बाहरी निर्भरता की बंधक न बनें। यहां एक 'थिंक टैंक' द्वारा आयोजित 'दिल्ली डिफेंस डायलॉग' को संबोधित करते हुए सिंह ने युद्ध में प्रौद्योगिकी के महत्व को भी रेखांकित किया।



उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में सैन्य तैयारियों को प्रौद्योगिकीय तैयारियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2047 को ध्यान में रखते हुए रक्षा क्षेत्र में हमारा लक्ष्य महत्वाकांक्षी होना चाहिए।'' रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि आज पारंपरिक और गैर-पारंपरिक युद्ध के बीच का अंतर लगातार धुंधला होता जा रहा है। दिल्ली स्थित मनोहर परिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए) द्वारा आयोजित इस संवाद में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, देश-विदेश के विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए।रक्षा मंत्री ने कहा, ''आत्मनिर्भरता को प्रौद्योगिकीय संप्रभुता हासिल करने की दिशा में किए गए उपक्रम के रूप में समझा जाना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं है कि हम हर चीज का उत्पादन खुद करें... इसका अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि रक्षा क्षेत्र की हमारी महत्वपूर्ण जरूरतें बाहरी निर्भरता की गुलाम न बनें।''

सत्ता परिवर्तन के नाम पर राहुल गांधी अराजकता फैलाएंगे तो जनता विकल्प चुनेगी-भाजपा

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ अभियान को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर हमला तेज करते हुए मंगलवार को कहा कि अगर राहुल गांधी सज़ा परिवर्तन के लिए अपने अराजकता के मॉडल को जारी रखते हैं, तो जनता विपक्ष में उनकी जगह कोई दूसरा विकल्प ढूंढ लेगी। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां भाजपा मुज़्यालय में आयोजित संवाददाता सज़्मेलन में कहा, अराजक 'कॉकरोच' और विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित ये सभी लोग 'सज़ा परिवर्तन' के लिए देश के सामने अराजकता का एक मॉडल पेश कर रहे हैं। भाटिया ने चेतावनी दी कि जो लोग भारत में सज़ा परिवर्तन चाहते हैं, उन्हें शायद



जनता यह तय करते मिले कि विपक्ष गैर-जिज़्मेदार है और उसे बदल दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव-यह मत सोचिए कि अराजकता फैलाकर आपको कुछ हासिल होगा। देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता आपके राजनीतिक करियर को खत्म कर देगी। लोग विपक्ष का कोई विकल्प ढूंढ लेंगे। भाटिया ने कहा कि राहुल के अराजकता के मॉडल को कोई स्वीकार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के भीतर भी वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के अराजकता वादी मॉडल से सहमत नहीं हैं। उन्हें लगता है कि इससे कांग्रेस पूरी तरह से बर्बाद और नष्ट हो जाएगी। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि देश में विपक्ष के विरोध-प्रदर्शनों को विदेशी फंडिंग की वजह से बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी 'प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल' (पीआई) और'इंडियन अलायंस पेरिस' जैसी विदेशी ताकतों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करते हैं। भाटिया ने कहा, पीआई हर जगह विरोध-प्रदर्शनों को विज़ पोषण देता है और 'तज़्तापलट' के लिए हिंसा करवाता है। सोनिया गांधी उसके प्रतिनिधियों से मिली थीं। उन्होंने दिल्ली में पीआई के प्रतिनिधियों के साथ सोनिया की कथित मुलाकात की एक तस्वीर भी दिखाई। राहुल ने विपक्ष पर देश को अस्थिर करने के लिए विदेशी मदद लेने का आरोप लगाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सोमवार को पलटवार किया था .

एनडीए से बाहर भी विकल्प खुला, अकेले चुनाव लड़ने को तैयार चिराग पासवान

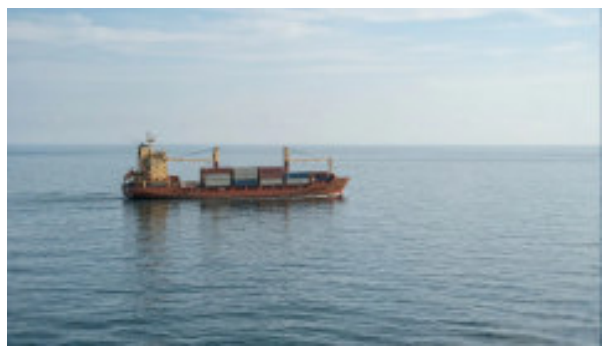
पटना ०३/११ (संवाददाता): 2027 के उज़र प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले एक अहम बयान में, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को संकेत दिया कि अगर हालात की मांग हुई, तो उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से बाहर रहकर अकेले चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। यह कहते हुए कि उनकी पार्टी हर स्थिति के लिए 100 प्रतिशत तैयार है, पासवान ने बताया कि हालांकि गठबंधन का स्वागत किया जाएगा, लेकिन LJP उज़र प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपने उज़्मीदवार उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार है।एक खास



इंटरव्यू में, उज़र प्रदेश के लिए अपनी पार्टी की रूपरेखा बताते हुए, पासवान ने आने वाले कुछ प्रमुख कार्यक्रमों की घोषणा की, जिनमें वाराणसी में एक बड़ी रैली और लखनऊ में पार्टी का स्थापना दिवस समारोह शामिल है।पासवान ने पटना में पत्रकारों से कहा हम उज़र प्रदेश के लिए 100ब तैयार हैं। हमारी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। परसों काशी में हमारी एक बड़ी जनसभा है, और इस बार हम 28 नवंबर को लखनऊ में पार्टी का स्थापना दिवस भी मनाएंगे। मुझे विश्वास है कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) उज़र प्रदेश विधानसभा चुनाव में खुद को एक मजबूत दावेदार और एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित करेगी। उज़र प्रदेश चुनावों में गठबंधन की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी कुछ भी पक्के तौर पर कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन पार्टी हर स्थिति के लिए तैयार है। अभी किसी भी बात पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। हालांकि, मैं हर स्थिति के लिए तैयार हूं। ह्ष्ठ के साथ हमारा राष्ट्रीय स्तर का गठबंधन है, और बिहार में भी हम गठबंधन में हैं।

ओमन तट के पास वाणिज्यिक जहाज पर हमला, भारतीय नाविक की मौत

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): ओमान में लिमाह के पास सोमवार शाम एक वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की और पश्चिम एशिया में तनाव को तुरंत कम करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया। इस हमले में भारतीय की मौत के बाद, फरवरी में इस क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद से मारे गए भारतीय नागरिकों की कुल संज़्या 23 हो गई है, जिनमें 15 भारतीय नाविक भी शामिल हैं। जहाज पर हुए ताजा हमले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए, नयी दिल्ली ने पश्चिम एशिया के संघर्ष का कूटनीतिक समाधान निकालने के लिए जारी बातचीत को पूरा करने पर भी जोर दिया, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता वापस आ सके। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि



'एमएसवी अल यूसुफी' नाम के इस जहाज पर 14 भारतीय नागरिक सवार थे, जिनमें से 13 को बचा लिया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम ओमान के लिमाह के पास कल शाम वाणिज्यिक जहाज 'एमएसवी अल यूसुफी' पर हुए हमले की निंदा करते हैं।

जहाज पर सवार 14 भारतीय नागरिकों में से 13 को बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक की चोटों के कारण मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है और बचाए गए भारतीय नागरिकों की जल्द स्वदेश वापसी तथा मृतक के पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। भारत ने कहा कि इस क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की लगातार हो रही घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। मंत्रालय ने कहा, हम तनाव कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने और कूटनीतिक समाधान के लिए जारी वार्ता को पूरा करने की अपनी अपील दोहराते हैं, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल हो सके। बयान में कहा गया, क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की घटनाएं बंद होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से निर्बाध नौवहन और व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेसवार्ता में कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष में अब तक 23 भारतीय नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में हमने 23 भारतीय नागरिकों को खो दिया है, जिनमें से 15 भारतीय नाविक थे।'' जायसवाल ने रूस-यूक्रेन संघर्ष से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि काला सागर क्षेत्र में हुए हमलों में अब तक पांच भारतीयों की मौत हो चुकी है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष की शुरुआत फरवरी में हुई, जब अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हमले किए।

नयी दिल्ली लगातार यह कहती रही है कि इस संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के ज़रिए निकाला जाना चाहिए। पश्चिम एशिया में तनाव अचानक बढ़ गया है, खासकर सऊदी अरब पर हूतियों द्वारा किए गए कई हमलों के बाद। भारत ने सऊदी अरब के नागरिक बुनियादी ढांचे और आर्थिक संपज़ियों पर हूती हमलों को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

इसने कहा है कि इस तरह के हमले क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करते हैं और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य से होकर होने वाले आवागमन की स्वतंत्रता के लिए खतरा पैदा करते हैं।



विविध समाचार



बिहार के ६२९ पीएमश्री और सरकारी स्कूलों में खुलेंगी मिट्टी परीक्षण लैब-विजय कुमार सिन्हा

पटना ०३/११ (संवाददाता):किसानों के सर्वांगीण विकास, खेतों की उर्वरता के संरक्षण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारे परिवार का स्वास्थ्य सीधे हमारी मिट्टी के स्वास्थ्य से जुड़ा है। जिस मिट्टी में हम अन्न उपजाते हैं, यदि वही स्वस्थ और पोषक तत्वों से भरपूर होगी, तभी हमें शुद्ध, पौष्टिक भोजन मिलेगा और हमारा परिवार स्वस्थ एवं सुरक्षित रहेगा। 'खेत बचाओ अभियान' के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाकर इसे जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से जन प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर माननीय लोकसभा सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, विधायक श्रीमती छोटी कुमारी, श्री जनक सिंह, श्री रंधीर कुमार सिंह एवं श्री मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह तथा विधान परिषद सदस्य श्री सच्चिदानंद राय सहित कई अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने किसानों के हितों की रक्षा, खेतों के संरक्षण एवं कृषि के सतत विकास के इस अभियान को



जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने में अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।श्री सिन्हा ने बताया कि किसानों को मिट्टी की गुणवज़ा एवं पोषक तत्वों की सही जानकारी उपलज़्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से राज्य के सभी हाई स्कूलों में मिट्टी जाँच प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर से ही मृदा स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक खेती के महत्व को समझ सकें। कृषि मंत्री ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी विजन के अनुरूप 'खेत बचाओ अभियान' धरती की उर्वरता बचाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ मिट्टी एवं समृद्ध कृषि का आधार तैयार करने का संकल्प है।

कृषि मंत्री ने कहा कि मिट्टी के संरक्षण के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से विज़ीय वर्ष 2026-27 में बिहार के सभी 38 जिलों के 629 पीएम श्री एवं राजकीय विद्यालयों में मिनी मिट्टी जाँच प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएँगी। इससे विद्यार्थी मिट्टी की गुणवज़ा को वैज्ञानिक तरीके से समझेंगे और उसके संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होंगे। मुझे प्रसन्नता है कि इस दिशा में पहले ही 160 पीएम श्री उच्च विद्यालयों में ऐसी प्रयोगशालाएँ स्थापित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि खेत बचाओ अभियान की सफलता किसानों की सक्रिय भागीदारी और जन-जागरूकता पर निर्भर करती है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि शारदीय (खरीफ) मौसम में बिहार भर में 7,275 किसान बैठकों का आयोजन किया गया जिनमें 6,19,436 किसानों ने भाग लिया। इनमें 2,12,610 महिला किसान भी शामिल रहीं। किसानों की यह व्यापक भागीदारी खेतों के संरक्षण और मिट्टी के स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रमाण है। श्री सिन्हा ने कहा कि वासंतिक (रबी) मौसम 2026-27 में इस अभियान को राज्य के सभी 534 प्रखंडों तक पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत प्रत्येक प्रखंड की कम से कम दो पंचायतों में विशेष किसान जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएँगे। हमारा प्रयास है कि इस अभियान के माध्यम से 15 से 16 लाख किसानों तक सीधे पहुँचकर उन्हें मिट्टी के स्वास्थ्य, खेतों की उर्वरता और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि खेतों का संरक्षण जनभागीदारी का व्यापक अभियान बन सके।

कार्यक्रम के दौरान श्री विजय कुमार सिन्हा ने बीज, कीटनाशक, मिट्टी जाँच, उर्वरक सहित कृषि से जुड़े कुल 19 महत्वपूर्ण विषयों पर किसानों के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने किसानों की समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित समाधान एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान श्री विजय कुमार सिन्हा ने कृषि विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न कृषि योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, गुणवज़ायुक्त बीजों तथा प्राकृतिक खेती से संबंधित नवाचारों का जायजा लिया।

राहुल गांधी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती-भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): बीजेपी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी पर चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में गलत नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस पार्टी भारत के लोकतंत्र के लिए %सबसे बड़ी चुनौती% बन गई है। त्रिवेदी ने कहा कि विपक्ष, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति और देश के प्रति बढ़ते आत्म-गौरव की भावना से खुश नहीं है। कई राज्यों में कांग्रेस पार्टी के चुनावी प्रदर्शन का हवाला देते हुए, बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी ओडिशा में 25 साल से, गुजरात में 1995 से, और उज़र प्रदेश तथा बिहार में 1990 से सज़ा से बाहर है। भुवनेश्वर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए त्रिवेदी ने कहा, %फिर भी, विपक्ष का मौजूदा रवैया यह बताता है कि वे इस प्रगति या राष्ट्रीय स्वाभिमान की बढ़ती भावना से खुश नहीं हैं। इस समय, कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी, भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने यह झूठा नैरेटिव फैलाने की कोशिश की है कि



सज़ा-विरोधी लहर (एंटी-इनकज़्बेंसी) चल रही है और उनकी पार्टी सज़ा में वापस आने में विफल हो रही है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ- राहुल, आप केवल अराजकता फैला रहे हैं - लेकिन ठोस और वास्तविक तथ्य ज़्या कहते हैं? पिछले पच्चीस वर्षों में, ओडिशा में कांग्रेस का एक भी मुज़्यमंत्री नहीं रहा है। आप 1995 से गुजरात से बाहर हैं। आप 1990 से उज़र प्रदेश और बिहार से बाहर हैं। इन राज्यों में कुल 120 सीटें आती हैं। त्रिवेदी ने कांग्रेस पार्टी के बूथ लेवल एजेंटों (BLAs) से सवाल किया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया की निगरानी में उनकी ज़्या भूमिका थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, राजनीति में आपके आने से पहले ही, आपकी पार्टी उन राज्यों में 10 सीटें जीतने की स्थिति में भी नहीं थी, जहाँ कुल 230 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र आते हैं। तो फिर, आप बाकी 300 सीटों में से 272 सीटें जीतने की उज़्मीद कैसे कर सकते थे? यही हकीकत है, और इसीलिए... मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का काम चुनाव आयोग की ओर से सरकारी कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। इन्हें (बूथ लेवल ऑफिसर) कहा जाता है। नाम जोड़ने या हटाने की इस प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए, राजनीतिक दल अपने प्रतिनिधि नियुक्त करते हैं, जिन्हें ब्लू(बूथ लेवल एजेंट) कहा जाता है। पूरे देश में, चुनाव आयोग द्वारा 12 लाख BLO नियुक्त किए गए हैं, और विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा 22 लाख BLA नियुक्त किए गए हैं। इसलिए, मेरा सवाल है- ज़्या कांग्रेस पार्टी के ब्लू सो रहे थे या किसी नशे के प्रभाव में थे?

पंजाब चुनाव २०२७: आप ने पाला बदलने वाले विधायकों को कचरा बताया, कहा-भाजपा को ही उन्हें टिकट देने दें

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): आम आदमी पार्टी ने सोमवार को अपने तीन बागी विधायकों को पार्टी से निकाल दिया, जो भाजपा में शामिल हो गए हैं। पार्टी ने कहा कि भाजपा की आदत कचरा इकट्ठा करने की है। पंजाब में सज़ाधारी पार्टी, %आप% ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कुंवर विजय प्रताप सिंह, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा को खो दिया है। पंजाब में बीजेपी को खोखला ढांचा बताते हुए, आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जिन लोगों के बारे में नकारात्मक फीडबैक मिला है, उन्हें आगामी चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया जाएगा।

भारद्वाज ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के पास चुनाव मैदान में उतारने के लिए 117 उज़्मीदवार भी नहीं हैं; पूरी पार्टी बस एक खोखला ढांचा है। जाहिर है, हम उन लोगों को टिकट नहीं देंगे जिनकी उज़्मीदवारी को हम रद्द करने का फैसला करते हैं - यानी वे लोग जिनके बारे में नकारात्मक फीडबैक मिला है। बीजेपी की



हमेशा से कचरा इकट्ठा करने की आदत रही है - तो, ??वे इन लोगों को टिकट दे दें। हमें इससे कोई दिक्कत नहीं है; लेकिन यह तय है कि हम उन्हें टिकट नहीं देंगे। बीजेपी, जो पहले पंजाब में शिरोमणि अकाली दल (ब्लू) की सहयोगी पार्टी के तौर पर सज़ा में रह चुकी है, इसे चुनावों से ठीक पहले आम आदमी पार्टी (ब्लू) के लिए एक बड़ा झटका बता रही है। इससे पहले दिन में ब्लू के निलंबित विधायक और पूर्व ब्लू अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने पंजाब विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। अमृतसर नॉर्थ सीट से विधायक ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा स्पीकर कुलतार सिंह संधवान को भेज दिया है। विजय प्रताप सिंह, पंजाब के विधायकों चेतन सिंह जौरामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा के साथ, बीजेपी मुज़्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हो गए। पंजाब विधानसभा से उनका यह इस्तीफा, ब्लू के दो अन्य विधायकों — समाना से जौरामाजरा और पटियाला जिले के सनौर से पठानमाजरा — के रविवार (1 नवंबर) को पार्टी से इस्तीफा देने के तुरंत बाद आया है। बीजेपी ने आम आदमी पार्टी (ब्लू) के तीन बागी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया और कहा कि उनका राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक बैकग्राउंड पार्टी को और पंजाब में इसके ब्लूजीत के मिशनब्लू को मजबूत करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विजय प्रताप सिंह ने कहा कि केवल बीजेपी ही पंजाब में शांति और समृद्धि वापस ला सकती है।

प्रियंका गांधी ने केन्द्रीय मंत्री को लिखा पत्र, वीबी-जी-राम-जी योजना का बकाया फंड मांगा

वायनाड (केरलम) ०३/११ (संवाददाता): कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) के तहत बकाया राशि जारी करने की मांग की है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। वायनाड से लोकसभा सदस्य ने अपने पत्र में मंत्री का ध्यान उन शिकायतों की ओर दिलाया, जो पिछले महीने निलंबूर में इस केंद्रीय योजना के तहत काम करने वालों के साथ बातचीत के दौरान सामने आई थीं। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम ऐप में बार-बार होने वाले बदलावों से श्रमिकों को काफी परेशानी हो रही है। ऐप पर हाजिरी दर्ज करने में आने वाली तकनीकी दिक्कतों की वजह से उन्हें अपने कार्य दिवस गंवाने पड़ रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि कई बार तो श्रमिकों को दिन में दो बार हाजिरी दर्ज करने में ही लगभग दो घंटे लग जाते हैं। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि वह दूर-दराज के इलाकों में, खासकर



कठिन परिस्थितियों में, ऐप के इस्तेमाल की समीक्षा करने के लिए एक टीम भेजें। इसके अलावा, उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिन इलाकों में नेटवर्क कनेज़्टिविटी खराब है, वहां जानकारी दर्ज करने के लिए मस्टर रोल का इस्तेमाल किया जाए। अपने पत्र में, उन्होंने जंगलों में काम करने वाली बुजुर्ग महिलाओं के लिए बीमा राशि बढ़ाने की मांग की ज़्योंकि वहां सर्पदंश और जंगली जानवरों के हमले का खतरा रहता है, और काम के दौरान बीमार पड़ जाने पर उनकी पूरी मजदूरी न देने की परिपाटी को बंद करने का भी आग्रह किया। प्रियंका ने कहा कि भले ही कानून में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग जनों और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों के लिए विशेष प्रावधान हैं, फिर भी उन्हें रोजगार पाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पिछली रोजगार गारंटी योजना के विपरीत, इस नयी पहल को लेकर शिकायतें आ रही हैं कि इसमें कौशल को बहुत अधिक महत्व दिया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने अपने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में कॉफी की बागवानी पर पड़ रहे असर का मुद्दा भी उठाया, ज़्योंकि इसे केवल परती भूमि तक ही सीमित कर दिया गया था। पत्र में उन्होंने मांग की है कि मौजूदा नियमों में संशोधन किया जाए, ताकि कृषि योग्य और अन्य उपयुक्त जमीन पर भी कॉफी की बागवानी की जा सके।

पंजाब में भाजपा का बड़ा शक्ति प्रदर्शन, आप के तीन बागी विधायक भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक बहुत बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। पंजाब में सज़ाधारी आम आदमी पार्टी को गहरा झटका देते हुए उसके तीन बागी विधायक- पूर्व आईपीएस अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह, चेतन सिंह जौरामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा- सोमवार (2 नवंबर) को औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। नई दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय मुज़्यालय में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान तीनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस घटनाक्रम से पंजाब में भाजपा को बड़ी मजबूती मिली है, जो 2027 के चुनावी समर से पहले राज्य में अपने आधार का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रही है।पटियाला जिले के सनौर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले हरमीत सिंह और समाना के विधायक चेतन सिंह जौरामाजरा ने रविवार को ब्लूकी



प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वहीं, अमृतसर उज़र के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने सोमवार को पंजाब विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। पूर्व IPS अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवान को अपना इस्तीफा सौंपा और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस फैसले की जानकारी दी। चेतन सिंह ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में समाना सीट से शिरोमणि अकाली दल (ब्लू) के उज़्मीदवार सुरजीत सिंह रखरा को 39,713 वोटों से हराया था। वहीं, हरमीत सिंह ने सनौर सीट से शिरोमणि अकाली दल (ब्लू) के उज़्मीदवार हरविंदर पाल सिंह चंदूमाजरा को 49,122 वोटों से हराकर जीत हासिल की थी। कुंवर विजय प्रताप सिंह ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में अमृतसर उज़र सीट से शिरोमणि अकाली दल के उज़्मीदवार अनिल जोशी को 28,318 वोटों से हराया था। यह घटनाक्रम AAP द्वारा 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए 40 उज़्मीदवारों की पहली सूची जारी करने के कुछ दिनों बाद हुआ है। आम आदमी पार्टी ने अपने 40 मौजूदा विधायकों को उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों से फिर से उज़्मीदवार बनाया है। अगले साल की शुरुआत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपने उज़्मीदवारों की घोषणा करने वाली ब्लू पहली प्रमुख राजनीतिक पार्टी है। मुज़्यमंत्री भगवंत मान को उनके मौजूदा निर्वाचन क्षेत्र धुरी से मैदान में उतारा गया है, जबकि जेल में बंद पार्टी नेता संजीव अरोड़ा को लुधियाना पश्चिम से उज़्मीदवार बनाया गया है। अरोड़ा फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय के एक मामले के सिलसिले में गुरुग्राम की भोंडसी जेल में बंद हैं। हली सूची में शामिल अन्य प्रमुख उज़्मीदवारों में कोटकपूरा से कुलतार सिंह संधवान, अजनाला से कुलदीप सिंह धालीवाल, तलवंडी साबो से बलजिंदर कौर, बटाला से अमनशेर सिंह शेरी कलसी और भदौर से लाभ सिंह उगोके शामिल हैं। अगले विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही AAP की पंजाब इकाई में इन घटनाक्रमों ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है।

पंजाब में विधानसभा चुनाव 2027 की शुरुआत में होने हैं। उज़र प्रदेश, उज़राखंड, गोवा और मणिपुर के चुनावों के साथ ही, यहाँ भी फरवरी-मार्च के आसपास मतदान होने की उज़्मीद है। 117 सदस्यों वाली पंजाब विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 16 मार्च 2027 को समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

2022 के विधानसभा चुनावों में, आम आदमी पार्टी ने राज्य की 117 में से 92 सीटें जीतकर प्रचंड जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस 18 सीटों पर सिमट गई थी।

एक मंच पर थलपति विजय, शिवकुमार और चंद्रबाबू नायडू, अमित शाह की बैठक में दिखा साउथ का पावर शो

नयी दिल्ली ०३/११ (संवाददाता): तमिलनाडु में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मुज़्यमंत्रियों ने कई अहम मुद्दे उठाए। इनमें परिसीमन, दक्षिणी राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की सुरक्षा, ह्रश्वश्वज्ञ परीक्षा, कावेरी जल बंटवारा और ज़्यादा विज़ीय स्वायज़ता जैसे मुद्दे शामिल थे। कर्नाटक के मुज़्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दक्षिण की संसदीय ताकत को सुरक्षित रखने के लिए एक औपचारिक प्रस्ताव की मांग की, वहीं तमिलनाडु के मुज़्यमंत्री जोसेफ विजय ने प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया के बाद इस क्षेत्र की राजनीतिक आवाज़ में किसी भी तरह की कमी को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों पर ज़ोर दिया।कर्नाटक ने मेकेदातु प्रोजेज़्ट पर सहयोग मांगा, जबकि आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गोदावरी-कावेरी इंटरलिंकिंग प्रोजेज़्ट के ज़रिए 500 ञ्जश्ट से ज़्यादा पानी को दूसरी तरफ़ मोड़ने का प्रस्ताव रखा।




विविध समाचार






रश्मिका मंदाना ने बताया- सेट पर कैसे रहते हैं विजय देवरकोंडा



रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ अपकमिंग ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा। इस दौरान एक फैन ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम एक्ट्रेस ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है और वे काम को लेकर में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। रश्मिका ने कहा, 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूं तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।'

पहली फिल्म के सेट पर विजय को सर कहती थीं रश्मिका

इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। बता दें कि ऐसा नहीं है कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की ये पहली फिल्म हो जिसमें साथ नजर आ रहे हैं। दोनों ने गीता गोविन्दम (2018), डियर कॉमरेड (2019) में पहले भी साथ-साथ काम किया है। बताया जाता है कि साल 2018 में फिल्म 'गीता गोविंदम' के सेट पर रश्मिका नई-नई थीं और विजय देवरकोंडा तीन-चार फिल्में कर चुके सीनियर एक्टर थे, इसलिए रश्मिका उन्हें 'सर' कहकर बुलाती थीं।



10 साल बाद टीवी पर लौटीं कांची कौल

अभिनेत्री कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बात करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं। कांची ने कहा, ''मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा जीने के लिए वापस नहीं आई हूं बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूं। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूं।'' उन्होंने कहा, ''पति, पत्नी और पंगा'' के जरिए मुझे दर्शकों से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूं, अपनी सहज सोच पर भरोसा करना चाहती हूं और ऐसे काम चुनना चाहती हूं जो वास्तव में मेरे दिल के करीब हों।''

करीब 10 साल तक टीवी से दूर रहने के बाद कांची ने 'पति, पत्नी और पंगा' के साथ छोटे पर्दे पर वापसी की है। इस शो में वह अपने पति और अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की जोड़ी को एक बार फिर साथ देखना उनके फैंस के लिए खास है। शो के नए सीजन को सोनाली बेंद्रे बहल और मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें शादीशुदा जिंदगी के रोजमर्रा के अनुभवों को मनोरंजक अंदाज में दिखाया जा रहा है। शो में शामिल कपल्स को कई मजेदार और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस सीजन में राहुल वैद्य और दिशा परमार, अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी बिजलानी, शब्बीर अहलूवालिया और कांची कौल, दीपिका सिंह और रोहित राज गोयल, दिव्यांका त्रिपाठी दहिया और विवेक दहिया, मनोज तिवारी और सुरभि तिवारी के साथ अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी भी हिस्सा ले रहे हैं। स्टोरी पीवर्स कलेक्टिव के प्रोडक्शन में बने इस शो का प्रीमियर 10 अक्टूबर को हुआ। 'पति पत्नी और पंगा' हर शनिवार और रविवार को जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होता है।



40 साल बाद पर्दे पर साथ दिखे रजनीकांत और रितिक रोशन

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्टअवेटेड फिल्म 'जेलर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। फिल्म में मोहनलाल, जैकी श्रॉफ और विजय सेतुपति जैसे कई स्टार्स का कैमियो है। इतना ही नहीं 'जेलर 2' में बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' रितिक रोशन भी नजर आए। फिल्म में रितिक 'रॉडी' का रोल निभा रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रितिक रोशन और रजनीकांत का यह संगम पहली बार नहीं हो रहा है? आज से करीब चार दशक पहले भी ये दोनों सितारे एक साथ एक ही फ्रेम में नजर आ चुके हैं, जब रितिक केवल नौ साल के थे।

बात साल 1986 की है, जब एक्शन-ड्रामा फिल्म 'भगवान दादा' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रजनीकांत ने मुख्य भूमिका निभाई थी और उनके साथ नजर आए थे 9 साल के बाल कलाकार रितिक रोशन। रितिक ने फिल्म में रजनीकांत के गोद लिए बेटे का किरदार निभाया था। दिलचस्प बात यह भी है कि इस फिल्म का निर्देशन रितिक रोशन के नाना जे. ओम प्रकाश ने किया था, जबकि उनके पिता राकेश रोशन ने फिल्म में पिस्तौलधारी किरदार निभाया था।

40 साल बाद बदला अंदाज

अब 40 साल बाद निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी 'जेलर 2' में रजनीकांत अपने चर्चित किरदार 'टाइगर मुथुवेल' के रूप में वापसी की है। इस बार मुथुवेल के सामने नई और खतरनाक चुनौतियां होंगी, जिनसे निपटने के लिए वह अपने पुराने और नए साथियों को याद करता है। इसी मोड़ पर एंट्री होती है रितिक रोशन की, जो फिल्म में 'रॉडी' नाम का दमदार किरदार निभा रहे हैं। कहानी के मुताबिक, रॉडी और मुथुवेल का रिश्ता 20 साल पुराना है। अतीत में मुथुवेल ने रॉडी की मदद की थी और अब रॉडी अपने पुराने मददगार का साथ देने और उनके दुश्मनों का सफाया करने लौट रहा है।

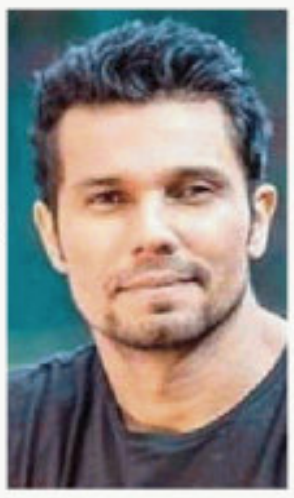
'जेलर 2' की मल्टी स्टारर स्टारकास्ट

'जेलर 2' को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में रजनीकांत और ऋतिक रोशन के अलावा विद्या बालन, मिथुन चक्रवर्ती, जैकी श्रॉफ, एस.जे. सूर्या, मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरते नजर आ रहे हैं।



रणदीप हुड्डा ने याद किए 'मैचबॉक्स' की शूटिंग के दिन

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी हाल ही में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म 'मैचबॉक्स: द मूवी' के सेट से कई तस्वीरें साझा की। रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया पर अपनी हॉलीवुड फिल्म की बीटीएस तस्वीरें फैंस के लिए साझा की। इसमें कई जगह वह पत्नी लिन और फिल्म के बाकी एक्टर्स के साथ एंजॉय करते नजर आए। वहीं दूसरी खास फोटो में वह स्टार जॉन सीना के साथ भी दिखाई दिए। इस फोटो में दोनों ही अभिनेता काफी खुश नजर आ रहे थे। रणदीप हुड्डा ने फोटोज के साथ एक शानदार कैप्शन भी लिखा। उन्होंने इन फोटोज को कैप्शन देते हुए लिखा, 'मैचबॉक्स मेरे एक्सट्रेवशन टीम के दोस्तों से मिलने-जुलने और नई यादें बनाने का एक शानदार बहाना था।' इसके साथ ही फिल्म के निर्देशक सैम हार्ग्रेव के लिए लिखा, 'हमें फिर से थोड़ा साथ खेलने का मौका मिला... सैम, फिर से खेलो।'



मैचबॉक्स: द मूवी 2026 में रिलीज हुई एक अमेरिकी एक्शन कॉमेडी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन सैम हरग्रेव ने किया है इस फिल्म की पटकथा डेविड कॉगेशल ने लिखी है। यह फिल्म मैटल के खिलौना ब्रांड मैचबॉक्स पर आधारित है। इसमें रणदीप हुड्डा के अलावा जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो और टेयोना पैरिस ने अहम किरदार निभाए हैं।

विक्की की 'महावतार' में तारा सुतारिया की हो सकती है एंट्री

विक्की कौशल की आगामी पौराणिक फिल्म 'महावतार' की हीरोइन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। फिल्म में विक्की के अपोजिट मुख्य भूमिका के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तारा के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तारा ने भी इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स कर रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, 'महावतार' की कास्टिंग को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार बदलाव हो रहे हैं। मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में हैं, जो फिल्म की भव्य और काल्पनिक दुनिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा सके। वहीं 'छावा' के बाद 'महावतार' विक्की और मैडॉक फिल्म्स की ये एक और बड़ी फिल्म है।



सोशल मीडिया पोस्ट के कमेंट्स में क्या ढूंढती थीं हरलीन

एक्ट्रेस हरलीन सेठी ने बातचीत में बताया कि वह अपने गोरे-चिट्टे भाई से खुद की तुलना करती थीं। रंग को लेकर यह झिझक एक्टिंग में आने के बाद भी उनका पीछा करती रही। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' के दौरान वह दर्शकों के कमेंट्स में भी अपनी स्किन को लेकर प्रतिक्रिया ढूंढती थीं। फिर एक वक्त ऐसा आया, जब उन्हें एहसास हुआ कि लोग उन्हें उनके रंग के लिए नहीं, उनके काम के लिए पसंद कर रहे हैं।

मैं डस्की थी और मेरा भाई गोरा-चिट्टा

हरलीन के मुताबिक, रंग को लेकर उनकी झिझक किसी एक व्यक्ति की कही बात से नहीं आई। वह खुद की दूसरों से तुलना करती रहीं और धीरे-धीरे यह बात उनके मन में बैठ गई। हरलीन ने कहा, 'मुझे लगता है कि ये ज्यादा सेल्फ-इन्फ्लिक्टेड ही था। जब आप एक तरीके के दिखते हो और आपकी मम्मी एक अलग तरीके की दिखती हैं, तो आपको लगता है कि यार, ये कैसे है? मेरा भाई मेरी मां पर गया था। मेरा भाई भी बहुत सुंदर है। वो एकदम गोरा-चिट्टा था और मैं डस्की। तो मुझे लगता है कि ये चीज खुद से ही आई।' वह बताती हैं कि बचपन से ही भाई करण के लुक्स की खूब तारीफ होती थी। 'सब उसको कहते थे कि तुम कितना सुंदर हो। हम कहीं भी जाते थे तो लोग पूछते थे कि यार, तू कब हीरो बन रहा है, तू कब एक्टर है। उसको इतना गुड लुकिंग कहते थे। उसके दिमाग में डाल देते थे कि तुम अच्छे दिखते हो, तुम कैमरे के सामने आ सकते हो। मैं खुद को अपनी मॉम से कंपेयर करती थी और फिर अपने भाई से। आप पापा के फेवरेट हो और भाई का फेवरेट है। तो एक तो मॉम के साथ कंपेयर, ऊपर से भाई वैसे ही सुंदर है और वो भी फेवरेट है। तो बहुत सारी चीजें थीं।'

डर था कि लोग मुझे देखकर क्या कहेंगे

हरलीन ने 29 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। ऐसे में कैमरे के सामने अपने लुक्स को लेकर वह पहले से ज्यादा कॉन्शस थीं। 'मेरा तो ऐसा भी नहीं था कि बचपन से मुझे पता था कि मुझे एक्टर बनना है, बड़े पर्दे पर आना है। मैंने उस तरीके से कभी एक्टिंग नहीं सीखी। कभी अपने लुक्स का ध्यान नहीं दिया। मैंने बहुत लेट शुरुआत की, 29 पर। आप लड़कियों का करियर ग्राफ देखो जो फिल्मों वगैरह में आती हैं। वो सब 16-17 पर शुरू करती हैं। तो मैं 29 पर शुरू कर रही हूं। तो कॉन्शसनेस होती है कि क्या आप अच्छे दिखते हो स्क्रीन पर, आप कैसे दिखते हो।'

'सबसे ज्यादा तनाव इस बात का था कि ब्रोकन में जब मुझे लोग देखेंगे तो कैसे देखेंगे। मुझे इतना प्यार मिला। लोग मेरी एक्टिंग की तारीफ कर रहे थे। लेकिन मैं उन कमेंट्स और डीएम में ढूंढती थी कि यार, स्किन के बारे में किसी ने कुछ कहा? इतने प्यार के बीच आज तक मुझे याद नहीं कि एक भी कमेंट मेरी स्किन को लेकर आया हो। वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। उस समय मैं अपनी मां के सामने रोई। तब मुझे समझ आया कि लोग आपके स्किन, टैलेंट और स्क्रीन पर आपके काम की तारीफ करते हैं। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप कैसे दिखते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एक बहुत अलग शुरुआत थी। ब्रोकन ने मुझे एक बहुत बड़ी चीज दी।'

इसके बाद हरलीन उम्र और हार्मोनल बदलावों की भी बात करती हैं

'पीसीओडी एक ऐसी चीज है, जो आपकी लाइफस्टाइल से रिलेटेड है। जैसी आपकी लाइफ है, सोना, खाना, पीना, वर्कआउट नहीं करना, बहुत सारी चीजें हैं। तो वो ऊपर-नीचे चलता रहता है। साथ ही, इस उम्र में ये बहुत हार्मोनल भी है। हम जिस एज में जा रहे हैं, गर्लस, हार्मोन्स के साथ हर रोज आप अलग दिखते हो। कभी आपकी आंखें पफी हैं, कभी फेस पर वॉटर रिटेंशन है, कभी बॉडी में ब्लोटिंग है।

कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं

हरलीन अब मानती हैं कि एक्टिंग में अपने लुक से ज्यादा किरदार पर ध्यान देना जरूरी है। 'एक कॉमन मैन भी सेल्फी खींचता है तो 10 खिंचाता है। 10 में से एक चूज करता है और वो सोशल मीडिया पर डालता है। एक एक्टर के लिए कितना हार्ड है सोचो। अगर आपने एक ही टेक दिया और वो उस एंगल से है जो डायरेक्टर को जाएगा। हो सकता है वो सबसे फ्लैटरिंग न हो, लेकिन सीन के लिए राइट हो। तो ये चीजें आप कंट्रोल नहीं कर सकते। आपको बस ये भूलना पड़ता है कि आप कैसे दिख रहे हो। बस कैरेक्टर के माइंड में रहो। कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं।'

कलिंग समाचार



संपादकीय

दलित होने पर खड़गे का अपमान

मैं इस बात को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहता। मैं वर्षों से इस सदन (राज्यसभा) का सदस्य हूं और निचले सदन में भी रहा। मैंने कभी किसी से यह नहीं कहा कि मैं दलित हूं, मेरी रक्षा करो और न ही किसी के सामने गिड़गिड़ाया। मुझ में लड़ने की शक्ति है और मैं लड़ता हूं। लेकिन हल्द्वानी में मंच का शुद्धिकरण कर मुझे छुआछूत का एहसास कराया गया और मेरा अपमान किया गया। ये शब्द कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हैं। गौरतलब है कि आठ अगस्त को श्री खड़गे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक सभा को संबोधित किया था, इसके बाद हिंदूवादी संगठनों ने उस मंच का शुद्धिकरण किया, क्योंकि श्री खड़गे दलित मूल के हैं। खड़गे जी नौ बार विधायक और पांच बार के सांसद हैं। जब भाजपा द्वारा पोषित घृणित जातिवादी और धर्मांध राजनीति दलित होने पर उनका अपमान कर सकती है, तो समझा जा सकता है कि देश में आज भी दलितों की क्या दुर्दशा है। भाजपा के शासनकाल में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के अपमान का यह सिलसिला लगातार चल रहा है। अखिलेश यादव मई 2024 में कन्नौज के बाबा गौरी शंकर महादेव मंदिर में दर्शन करने गए, तो उसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने उसका शुद्धिकरण किया था। राजस्थान में अप्रैल 2025 में अलवर में एक राम मंदिर में कांग्रेस नेता टीकाराम जूली के जाने के बाद, भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा ने गंगाजल छिड़क कर मंदिर का शुद्धिकरण किया था। ऐसे दर्जनों मामले हैं, जहां इसी तरह सवर्ण हिंदू श्रेष्ठता के चलते दलितों का अपमान किया जाता है। दलितों के मूंछ रखने से लेकर विवाह में घोड़ी चढ़ने तक आज भी उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता है। मुसलमानों पर अत्याचार की खबरें तो अब इतनी आम हो चुकी हैं कि जनसामान्य इन पर विचलित ही नहीं होता। यह बात भी ध्यान रखनी चाहिए कि संसद के नए भवन के उद्घाटन का मौका हो या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति वहां मौजूद नहीं थीं। क्यों नहीं थी, इस सवाल का जवाब भाजपा ही बेहतर देगी। उसका चाल, चरित्र और चेहरा दलित, आदिवासी, पिछड़ा विरोधी है, यह बार-बार जाहिर होता है। भाजपा के लिए तो यही सुविधाजनक है कि लोग धर्म और जाति के झगड़ों में फंसे रहें ताकि शिक्षा, चिकित्सा, भोजन, पानी, रोजगार जैसे अहम विषयों पर सरकार को काम ही नहीं करना पड़े। प्रधानमंत्री मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान तो चलाया ही हुआ है, इसके साथ ही संसद में वंदेमातरम का पूरा गान भी कर लिया। ध्यान रहे कि अब तक वंदेमातरम के शुरुआती दो अंतरों को ही आधिकारिक तौर पर राष्ट्रगीत के रूप में गाया जाता था। क्योंकि शुरुआती दोनों अंतरों में मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि का वर्णन है। रवीन्द्रनाथ ठाकुर का ही सुझाव था कि केवल शुरुआती पद लिए जाएं, क्योंकि इनमें धर्मनिरपेक्ष और सार्वभौमिक अभिव्यक्ति है। जबकि बचे हुए चार छंदों में हिंदू देवी-देवताओं (जैसे दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती) का स्पष्ट रूप से आह्वान और स्तुति की गई है। 79 बरस तक यही वंदेमातरम देश में गूंजता रहा और इस पर कोई राजनीति नहीं हुई। बेशक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई बार पूरे गीत को गाने पर जोर देता रहा और नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में संघ के इस एजेंडे को भी पूरा करके दिखा दिया। हालांकि विडंबना यह है कि वंदेमातरम का पूरा गान संसद में करवाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सदन में रुकने की हि मत नहीं दिखा सके। राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान केवल गाए नहीं जाते हैं, इनका असली मर्म तो तभी जाहिर होता है जब आपकी देशभक्ति कार्यों में परिणत हो। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का कार्य सदन में आकर विपक्ष के साथ चर्चा को आगे बढ़ाना होता है। मगर पूरे मानसून सत्र में मोदी और शाह सदन में नहीं आए, इनकी वजह से सदन रोजाना ठप्प हुए, महज 15 घंटे काम हुआ। गुरुवार को सत्र के आखिरी दिन अपनी पूरी केबिनेट के साथ मोदी-शाह लोकसभा में आए भी तो वंदेमातरम सुनकर चले गए, महज तीन मिनट में ओम बिड़ला ने सूचना दे दी कि सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होता है। जबकि राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने दलित होने की वजह से हुए उनके अपमान का मुद्दा सामने रखा तो जे पी नड्डा केवल इतना कह पाए कि खड़गे जी ने जो कहा वह वाकई दुखद है- न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए बल्कि हम सबके लिए...हम इसकी जांच करेंगे। मैं इसकी निंदा करता हूं।

प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है हरेली तिहार

बाबा मायाराम

विज्ञान खेती के साथ मिट्टी-पानी और पर्यावरण का संरक्षण करते हुए देश भर बिना रासायनिक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं।

हाल ही में छत्तीसगढ़ में हरेली तिहार मनाया गया। यह तिहार खेती-किसानी से जुड़ा है, और इसमें किसान उनके कृषि औजारों व पशुधन की पूजा करते हैं। यह प्रकृति, हरियाली और खेती किसानों के प्रति स मान दर्शाता है। यह मनुष्य के साथ प्रकृति के अटूट रिश्ते को भी बताता है, जिसमें वह प्रकृति का संरक्षण करते हुए अपना पालन-पोषण भी करता रहा है। आज इस कॉलम में इसी पर विस्तार से बात करना चाहूंगा। ज़्यादा जानें हिंदू धर्म विदेश समाचार ई-पेपर एक्सेस यह पर्व सावन की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार भी हमारे अन्य त्योहारों की तरह खेती-किसानी, पशुधन, हरियाली और गांव-किसान से जुड़ा हुआ है। इस त्योहार पर खेती किसानी के औजारों व पशुधन की पूजा की जाती है। किसान अच्छी फसल की कामना करते हैं। हरेली का अर्थ हरियाली से है, जिसकी आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। जलवायु बदलाव के दौर में इसकी शिद्दत से महसूस की जा रही है।

हमारे देश के अधिकांश तीज-त्योहार खेती-किसानी से जुड़े हुए हैं। पोला, अक्ति और नवाखाई और दीपावली भी खेती से जुड़े हैं। अक्ति त्योहार पर गांवों में किसान चना, तिवरा, मसूर, उड़द और महुआ को भूनकर लाई बनाते हैं, ठाकुरदेव की पूजा करते हैं। इसी मौके पर धान के दानों को छींटकर नागर के लोहे से जोता जाता है। किसान घरों से धान बीज बांस की टोकरियों में लेकर खेत जाते हैं और सांकेतिक रूप से धान को बोते हैं। यह पारंपरिक है, सालों से कर रहे हैं। यह बीजों के आदान-प्रदान, बीजों की विविधता और संरक्षण का किसानों का तरीका है।

इसी प्रकार, दिवाली पर गाय, बैल आदि सभी जानवरों को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। हल-बक्खर जैसे कृषि-औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल आ जाती है- ज्वार, मक्का, चावल और उड़द जैसी दालें। अरहर की फसल को छोड़कर, वह बाद में आती है। इस दिवाली में समस्त जीव-जगत के पालन का विचार था। यह दिवाली लोगों को आपस में जोड़ती है। ज़्यादा जानें व्यापार और टाइकून खेल पृथ्वी विज्ञान कृषि और वानिकी खेती के साथ मिट्टी-पानी और पर्यावरण का संरक्षण करते हुए देश भर बिना रासायनिक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं। इन प्रयासों में राज्य और केन्द्र सरकार के साथ किसान और गैर-सरकारी संस्थाएं भी प्रयास कर रही हैं।

इसी प्रकार, उत्तराखंड की विविधता आधारित बारहनाजा पद्धति भी काफी उपयोगी है। इस पद्धति के प्रचार-प्रसार में लगे बीज बचाओ आंदोलन के विजय जड़धारी बताते हैं कि बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है, पर इसके अंतर्गत बारह से ज्यादा अनाज आते हैं। इसमें दलहन, तिलहन, शाक-भाजी, मसाले व रेशा सभी शामिल हैं। मंडुआ बारहनाजा परिवार का मुखिया कहलाता है। असिंचित व कम पानी में यह अच्छा होता है। पहले मडुंवा की रोटी ही लोग खाते थे, जब गेहूं नहीं था। पोषण की दृष्टि से यह भी बहुत पौष्टिक है।

छत्तीसगढ़ में भी ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों की सुरक्षा के साथ-साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। इसी प्रकार, उत्तराखंड की विविधता आधारित बारहनाजा पद्धति भी काफी उपयोगी है। इस पद्धति के प्रचार-प्रसार में लगे बीज बचाओ आंदोलन के विजय जड़धारी बताते हैं कि बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है, पर इसके अंतर्गत बारह से ज्यादा अनाज आते हैं। इसमें दलहन, तिलहन, शाक-भाजी, मसाले व रेशा सभी शामिल हैं। मंडुआ बारहनाजा परिवार का मुखिया कहलाता है। असिंचित व कम पानी में यह अच्छा होता है। पहले मडुंवा की रोटी ही लोग खाते थे, जब गेहूं नहीं था। पोषण की दृष्टि से यह भी बहुत पौष्टिक है। ज़्यादा जानें राजनीतिक विश्लेषण सेवा राजनीतिक समाचार सेवा संपादकीय आलेख वे आगे बताते हैं कि बारहनाजा मिश्रित फसल पद्धति है, जिसमें खरीफ की फसलें होती हैं। इस पद्धति में मिट्टी के साथ रिश्ता है। मंडुवा, रामदाना, कुट्टू ज्यादा ताकत लेते हैं। इसलिए दलहन की फसलें लगाई जाती है। यह मिट्टी को उपजाऊ बनाने का काम करती हैं। दालों से नत्रजन मिलता है। यह सब किसानों ने अपने अनुभव से करके सीखा है। खेत और पशु-फ़ार्म इन अनाजों में कोदा (मंडुवा), मारसा (रामदाना), ओगल (कुट्टू), जोन्याला (ज्वार), मक्का, राजमा, गहथ (कुलथ), भट्ट (पारंपरिक सोयाबीन), रैयास (नौरंगी), उड़द, सुंटा, रगड़वांस, तोर, मूंग, भगंजीर, तिल, ज या, सण (सन), काखड़ी इत्यादि। इसकी फसलें अलग-अलग होते हुए भी एक दूसरे की सहायक हैं। रामदाना, मंडुवा, ज्वार ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। बेलवाली दालें उससे लिपट जाती हैं। एक दूसरे को सहारा देती हैं। नियंत्रित करती हैं और उन्हें बढ़ाने में सहायक होती है। यह खेती बिना लागत वाली है। बीज खुद किसानों का होता है, जिसे वे घर के बिजुड़े (पारंपरिक भंडार) से ले लेते हैं और पशुओं व फसलों के अवशेष से जैविक खाद मिल जाती है, जिसे वे अपने खेतों में डाल देते हैं। परिवार के सदस्यों की मेहनत से फसलों की बुआई, निंदाई-गुड़ाई, देखरेख व कटाई सब हो जाती हैं।

इसके अलावा निंदाई-गुड़ाई के लिए कुदाल, दरांती, गैंती, फावड़ा आदि की लकड़ी भी पास के जंगल से मिल जाती है। गांव के लोग ही खेती के औजार बनाते थे। ज़्यादा जानें भारतीय राजनीति समाचार पत्र प्रकाशन खेल जगत अपडेट वे आगे बताते हैं कि पहले बारहनाजा के बीज सभी किसान रखते हैं। खाज खाणु अर बीज धरनु (खाने वाला अनाज खाओ किन्तु बीज जरूर रखो)। बिना बीज के अगली फसल नहीं होगी। बीजों को सुरक्षित रखने के लिए तोमड़ी (लौकी की तरह ही) का इस्तेमाल किया जाता था। पारिस्थितिकी और पर्यावरण जलवायु परिवर्तन हो रहा है, यह असलियत है। लेकिन बारहनाजा में इसका मुकाबला करने की क्षमता बारहनाजा में है, ऐसा अनुभव रहा है। जैसे अगर ज्यादा बारिश होती है, सूखा होता है या जंगली जानवर का आक्रमण होता है तो इनसे अगर कुछ फसलों का नुकसान होता है तो उसकी पूर्ति दूसरी फसलों से हो जाती है। बारहनाजा की फसलों से प्रकृति को बिना नुकसान पहुंचाए पैदावार बढ़ाई जा सकती है, पर्यावरण व मित्र जीवों की रक्षा की जा सकती है। इससे पशुपालन व कृषि का समन्वय किया जा सकता है, इसमें खेती की लागत भी बहुत कम है। इससे गांवों में स्थायी, टिकाऊ खेती से आजीविका व भोजन सुरक्षा की जा सकती है। साथ ही दीर्घकालीन दृष्टि रखकर मिट्टी, पानी का संरक्षण भी किया जा सकता है। हमारी देश की जलवायु, जैव विविधता और पर्यावरण खेती के लिए अनुकूल है। हरेली तिहार जैसे हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। प्रकृति का, मिट्टी-पानी, पर्यावरण और जैव विविधता का संरक्षण करते हुए आजीविका का भी संरक्षण किया जा सकता है और हमारी भाईचारा बढ़ाने वाली व प्रकृति के साथ समन्वय करने वाली कृषि और उसकी संस्कृति भी बचेगी।

भारी वर्षा और धराशायी होती हरियाली

अरुण कुमार डनायक

वायुमंडलीय विज्ञान का अध्ययन करना वृक्ष केवल पर्यावरणीय संपदा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। बरगद, पीपल, आंवला और नीम भारतीय आस्था एवं परंपरा के प्रतीक रहे हैं। इनके संरक्षण से सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहती है, वहीं ये कार्बन अवशोषण, तापमान नियंत्रण, वायु शुद्धिकरण और शहरी जैव विविधता के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय मानसून केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं है; यह जीवन और विनाश, दोनों का एक साथ आगमन है। वर्षा की रिमझिम फुहारें उमस से राहत देती हैं, खेतों में नई आशा जगाती हैं और और धरती को हरीतिमा की मनोहारी चादर पहना देती हैं। किंतु यही वर्षा जब अतिवृष्टि में बदल जाती है, तो जलभराव, बाढ़, भूस्खलन और वृक्षों के धराशायी होने जैसी घटनाएं जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर देती हैं। पिछले कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति विशेष रूप से सामने आई है—महानगरों और नगरों में भारी वर्षा तथा तेज़ हवाओं के साथ बड़ी सं या में वृक्षों का गिरना।

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और अन्य शहरों में मानसून के दौरान सड़कों पर गिरे बरगद, पीपल, नीम, अर्जुन, गुलमोहर और यूकेलिप्टस के वृक्ष अब सामान्य दृश्य बन गए हैं। फुटपाथों और सड़क किनारे खड़े ये विशाल वृक्ष कभी छाया, स्वच्छ वायु और जैव विविधता के प्रतीक थे; आज वही यातायात अवरोध, बिजली आपूर्ति बाधित होने और कभी-कभी जान-माल की हानि का कारण बन रहे हैं। यह समस्या केवल नगरों तक सीमित नहीं है। राजमार्गों पर भी वर्षों पुराने आम, इमली और जामुन के वृक्ष तेज़ वर्षा में गिरकर यातायात रोक देते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि वन क्षेत्रों के वृक्ष अपेक्षाकृत कम गिरते हैं। इससे स्पष्ट है कि समस्या वर्षा नहीं, बल्कि शहरी परिस्थितियां हैं। साउथ एशियन कल्चरल इवेंट्स खोजना/द्यह्यश ऋद्धड्डस्र - %पीएम केयर्स% फंड का ऑडिट वृक्षों का असमय गिरना केवल बादलों या तेज़ हवाओं का दोष नहीं है। इसके पीछे पारिस्थितिक और प्रशासनिक दोनों प्रकार की विफलताएं छिपी हैं। शहरों में वृक्षों की जड़ों के चारों ओर सीमेंट और कांक्रीट बिछा दी जाती है, जिससे उन्हें फैलने और पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त करने का अवसर नहीं मिलता। वर्षा का जल भी भूमि में समाने के बजाय नालियों में बह जाता है, परिणामस्वरूप जड़ों का प्राकृतिक पोषण बाधित हो जाता है। बहुमंजिला इमारतों, बेसमेंट, सीवेज लाइन, जल पाइपलाइन और भूमिगत केबलों के निर्माण के दौरान की जाने वाली अनियोजित खुदाई तथा ड्रिलिंग से जड़ें कट जाती हैं और वृक्ष भीतर ही भीतर कमजोर हो जाते हैं। अनेक पुराने वृक्ष दीमक और फफूंद के संक्रमण से खोखले भी हो चुके होते हैं। ऐसे वृक्ष जब तेज़ हवा और मूसलाधार वर्षा का संयुक्त दबाव झेलते हैं, तो उनका गिरना लगभग निश्चित हो जाता है।

अनेक नगरों में वृक्षों की नियमित वैज्ञानिक छंटाई नहीं होती, जबकि कहीं-कहीं अत्यधिक छंटाई कर दी जाती है। कई बार मु य तना काट दिए जाने से वृक्ष सीधे ऊपर बढ़ने के बजाय एक ओर फैलने लगते हैं। ऊपर का भार बढ़ता जाता है, जबकि कांक्रीट में जकड़ी जड़ें उसे संभालने में असमर्थ रहती हैं।

परिणामत तेज़ हवाओं में वृक्ष संतुलन खो बैठते हैं। गार्डनिंग टूल्स और पौधे खरीदना वृक्ष गिरने के बाद नगर निगमों की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सीमित जनशक्ति और पुराने उपकरणों के कारण कई स्थानों पर आज भी कुल्हाड़ी और आरी से वृक्ष काटकर हटाए जाते हैं। परिणामस्वरूप सड़कें कई घंटों या कई दिनों तक बाधित रहती हैं। आधुनिक हाइड्रोलिक ट्री-कटर, क्रेन और मोबाइल वुड-चिपर जैसी मशीनों का उपयोग अभी भी अधिकांश भारतीय नगर निकायों में सामान्य नहीं हो पाया है।

समस्या का एक कानूनी पक्ष भी है। दिल्ली सरकार ने जून 2025 में एक अधिसूचना जारी कर मृत, रोगग्रस्त अथवा जन-सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके वृक्षों को हटाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास किया था। इसके अतिरिक्त कुछ अवसंरचना परियोजनाओं के लिए पूर्व अनुमति के बिना वृक्षों की कटाई, छंटाई अथवा प्रत्यारोपण की सीमित छूट का भी प्रावधान किया गया था। किंतु दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस अधिसूचना पर रोक लगाते हुए कहा कि विकास कार्यों के नाम पर वृक्षों को काटने या उनकी छंटाई के लिए सामान्य छूट नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल वास्तविक और प्रमाणित खतरे की स्थिति में ही ऐसे निर्णय लिए जाने चाहिए तथा प्रत्येक मामले में पर्यावरणीय संतुलन और जनहित का समुचित परीक्षण आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह रुख उचित है, किंतु इसके साथ ही जोखिमग्रस्त वृक्षों की पहचान और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए त्वरित एवं पारदर्शी व्यवस्था विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। ज़्यादा जानें राजनीतिक राजनीति समाचार विश्व के अनेक देशों ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप में शहरी वृक्ष प्रबंधन को नगर नियोजन का अभिन्न अंग माना जाता है। वृक्षों की नियमित स्वास्थ्य जांच, वैज्ञानिक छंटाई तथा सेंसर एवं डिजिटल मानचित्रण के माध्यम से उनकी सतत निगरानी की जाती है। जड़ों के लिए पर्याप्त जल, वायु और खुला स्थान सुनिश्चित किया जाता है तथा जहां संभव हो, बड़े वृक्षों को मु य यातायात मार्गों से कुछ दूरी पर हरित पट्टियों और पार्कों में लगाया जाता है। अमेरिका की अनेक आवासीय क युनिटीज़ में घर के सामने लगे वृक्षों और हरित क्षेत्र की देखभाल भवन स्वामी का दायित्व होता है। इसकी उपेक्षा करने पर आर्थिक दंड का भी प्रावधान है, जिससे नागरिक सहभागिता स्वाभाविक रूप से सुनिश्चित होती है। पृथ्वी विज्ञान पाठ्यक्रम खोजना भारत में भी समस्या का समाधान केवल अधिक वृक्ष लगाने से नहीं होगा; उतना ही महत्वपूर्ण है पहले से मौजूद वृक्षों का वैज्ञानिक संरक्षण। प्रत्येक नगर में वृक्षों की डिजिटल गणना तैयार की जाए और पुराने तथा जोखिमग्रस्त वृक्षों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य बनाया जाए। नगर निगमों में प्रशिक्षित वृक्ष विशेषज्ञ नियुक्त किए जाएं तथा आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। नई कॉलोनियों, सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं में हरित पट्टियों तथा वृक्ष संरक्षण क्षेत्रों का अनिवार्य प्रावधान किया जाए, ताकि वृक्षों की जड़ों के चारों ओर पर्याप्त खुला क्षेत्र बना रहे। भूमिगत पाइपलाइन और केबल बिछाने के दौरान जड़ों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का कठोरता से पालन किया जाए। ज़्यादा जानें ज्योग्राफिक मैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना डिजिटल समाचार और मैगजीन सब्सक्रिप्शन लेना स्थानीय शहर की गाइड एक्सप्लोर करना वृक्ष केवल पर्यावरणीय संपदा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। बरगद, पीपल, आंवला और नीम भारतीय आस्था एवं परंपरा के प्रतीक रहे हैं। इनके संरक्षण से सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहती है, वहीं ये कार्बन अवशोषण, तापमान नियंत्रण, वायु शुद्धिकरण और शहरी जैव विविधता के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायुमंडलीय विज्ञान का अध्ययन करना हर मानसून हमें यह याद दिलाता है कि प्रकृति का संतुलन कितना नाजुक है। यदि शहरों में वृक्ष लगातार गिर रहे हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वर्षा अधिक शक्तिशाली हो गई है; इसका अर्थ यह है कि हमने अपने वृक्षों को कमजोर बना दिया है। आवश्यकता वर्षा को दोष देने की नहीं, बल्कि शहरी नियोजन, वैज्ञानिक वृक्ष प्रबंधन और नागरिक उत्तरदायित्व को नई दृष्टि से देखने की है। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो हर मानसून हमारे शहरों की हरियाली को थोड़ा और धराशायी करता रहेगा।



विविध समाचार



जालंधर में एनकाउंटर, जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में लगी गोली, अरेस्ट करते समय आरोपी ने की फायरिंग

जालंधर। पंजाब के जालंधर में गढ़ा रोड पर फायरिंग और नशा तस्करी के मामलों में गिरफ्तार आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। घटना जालंधर कैंट के जमशेर खास क्षेत्र में हुई, जहां आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद पुलिस की तरफ से जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी की पहचान श्यामदास के रूप में हुई है, जो मूल रूप से दरभंगा (बिहार) का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से जालंधर के गढ़ा इलाके में रह रहा था। उसे 4 जुलाई को एनडीपीएस एक्ट के तहत नशा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने एक



अवैध हथियार छिपाकर रखने की जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस टीम उसे बरामदगी के लिए मौके पर लेकर गई। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर पहुंचने के बाद आरोपी ने पहले पुलिस को गुमराह किया और फिर अचानक पुलिस कर्मियों को धक्का देकर उस स्थान की ओर भागा, जहां हथियार छिपाया गया था। वहां से पिस्तौल निकालकर उसने पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग कर दी।

पुलिस कर्मियों ने सतर्कता दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक गोली आरोपी के पैर में लगी और वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़ा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि श्यामदास गढ़ा क्षेत्र में दर्ज हत्या के प्रयास (धारा 307) के एक मामले में भी वांछित था। आरोप है कि उसने अपने साथी साहिल के साथ मिलकर अपने ही रिश्तेदार अमरजीत पर जानलेवा फायरिंग की थी और घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी का नेटवर्क अंतरराज्यीय स्तर तक फैला हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह बिहार से गांजा लाकर पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी सप्लाई करता था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि उसके पास मिला अवैध हथियार कहां से आया और इसमें किन–किन लोगों की भूमिका है। इसके लिए बिहार पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को बुलाकर हथियार, कारतूस और अन्य साक्ष्यों को कब्जे में लिया गया। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, अवैध हथियार रखने और अन्य संबंधित धाराओं के तहत नया मामला भी दर्ज किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में नशा तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून–व्यवस्था को चुनौती देने वाले किसी भी आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री अकाल तख्त के फैसले का बिट्टू ने किया स्वागत, मान सरकार पर बोला तीखा हमला

चंडीगढ़। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026' पर श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा व्यापक समीक्षा के लिए एक माह का समय दिए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए भगवंत मान सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता राजनीतिक लाभ का विषय नहीं है और इससे जुड़े कानून जल्दबाजी में नहीं बनाए जा सकते। बिट्टू ने दावा किया कि श्री अकाल तख्त साहिब में हुई बैठक के दौरान जब विधायकों से उसी विधेयक के प्रावधान पूछे गए, जिसे उन्होंने विधानसभा में पारित किया था, तो कई विधायक संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उन्होंने सवाल उठाया कि "अगर विधायक ही कानून से अनजान थे, तो आखिर इस विधेयक का मसौदा किसने तैयार किया?" उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा कोई "रबर स्टांप" नहीं है, जहां बिना पढ़े और समझे कानून पारित कर दिए जाएं।

पंजाब में फैंसी नंबर का क्रेज, शख्स ने एक्टिवा के लिए 8.52 लाख में 0001 नंबर खरीदा, ये नंबर भी लाखों में बिके

जालंधर। पंजाब में वाहनों के फैंसी नंबरों का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। जालंधर रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस द्वारा आयोजित ऑनलाइन ई–ऑक्शन में इस बार च्ठ 08 ळ। सीरीज का सबसे वीआईपी नंबर 0001 रिकॉर्ड 8 लाख 52 हजार 500 रुपये की बोली में नीलाम हुआ। हैरानी की बात यह है कि यह नंबर किसी महंगी लग्जरी कार के लिए नहीं, बल्कि एक एक्टिवा स्कूटर के लिए खरीदा गया है। मौजूदा समय में एक्टिवा की ऑन–रोड कीमत करीब 1.10 लाख रुपये है। ऐसे में जिस रकम में यह फैंसी नंबर खरीदा गया, उससे लगभग आठ नई एक्टिवा खरीदी जा सकती थीं। ई–ऑक्शन में अन्य पसंदीदा नंबरों के लिए भी लोगों ने खुलकर बोली लगाई। 0007 नंबर 3.11 लाख रुपये, 0005 नंबर 2.83 लाख रुपये, 0008 नंबर 2.50 लाख रुपये, जबकि 0002, 0003, 0006 और 0009 नंबर 2–2 लाख रुपये में बिके। पिछले कई महीनों से जालंधर में 000 सीरीज के फैंसी नंबरों की मांग लगातार बढ़ रही है। इससे पहले च्ठ 08 ळ सीरीज का 0001 नंबर 8 लाख 61 हजार रुपये में नीलाम हुआ था। मौजूदा नीलामी में च्ठ 08 ळ। सीरीज का 0001 नंबर उससे महज 8,500 रुपये कम कीमत पर बिका, जो इस सीरीज की लोकप्रियता को दर्शाता है। आरटीओ अधिकारियों के अनुसार, फैंसी नंबरों की ई–ऑक्शन प्रत्येक सप्ताह आयोजित की जाती है। शनिवार से सोमवार तक इच्छुक वाहन मालिक ऑनलाइन आवेदन करते हैं, जबकि मंगलवार और बुधवार को परिवहन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन बोली लगाई जाती है। प्रत्येक क्लिक के साथ बोली 500 रुपये बढ़ती है और सबसे अधिक बोली लगाने वाले आवेदक को संबंधित नंबर आवंटित किया जाता है। 0001 से 0010 तक के नंबरों का रिजर्व प्राइस 5 लाख रुपये निर्धारित है।

रवनीत सिंह बिट्टू ने टनकपुर–तख्त श्री हजूर साहिब को जोड़ने वाली ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

टनकपुर। रेलवे एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री एस. रवनीत सिंह ने आज नव प्रारंभ की गई 17631ध17632 नांदेड़दृ टनकपुरदृनांदेड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस नई रेल सेवा को धार्मिक पर्यटन, क्षेत्रीय संपर्क और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता करते हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता की। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा, जिनका संसदीय क्षेत्र टनकपुर है कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस तथा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने भी वर्चुअल माध्यम से समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री एस. रवनीत सिंह ने कहा कि यह नई साप्ताहिक रेल सेवा माँ पूर्णागिरि धाम के प्रवेश द्वार टनकपुर तथा सिख धर्म के पाँच तख्तों में से एक तख्त श्री हजूर साहिब, नांदेड़ के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि यह सेवा श्रद्धालुओं, पर्यटकों तथा आम यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी और उत्तर भारत एवं दक्षिण भारत के बीच सुगम एवं निर्बाध रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि यह साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को नांदेड़ से प्रस्थान कर मंगलवार प्रातः टनकपुर पहुँचेगी, जबकि वापसी में प्रत्येक मंगलवार को टनकपुर से प्रस्थान कर यात्रियों को दोनों प्रमुख धार्मिक स्थलों के बीच सुविधाजनक एवं सीधी रेल सेवा उपलब्ध कराएगी। श्री रवनीत सिंह ने कहा कि उत्तराखंड का सिख समुदाय के साथ ऐतिहासिक एवं गहरा संबंध रहा है। विशेष रूप से ऊधम सिंह नगर सहित तराई क्षेत्र में निवास करने वाले सिख समुदाय ने स्वतंत्रता के बाद से कृषि, आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह नई रेल सेवा पंजाब, उत्तराखंड और महाराष्ट्र के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी तथा श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों के बीच आवागमन को सरल बनाएगी। इससे पूर्व एस. रवनीत सिंह ने गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में मत्था टेका। यह पवित्र स्थल श्री गुरु नानक देव जी की प्रथम उदासी से जुड़ा हुआ है और सिख धर्म के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। उन्होंने देश की शांति, समृद्धि एवं प्रगति के लिए अरदास की तथा कहा कि 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' का गुरु नानक देव जी का अमर संदेश आज भी समाज को सद्भाव, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के साथ–साथ आधुनिक आधारभूत संरचना के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रमुख धार्मिक स्थलों तक रेल संपर्क का विस्तार इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो रही है।

हॉकी पंजाब के अध्यक्ष नितिन कोहली ने ओलंपियन मनप्रीत सिंह का किया भव्य स्वागत

जालंधर। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और वरिष्ठ खिलाड़ी मनप्रीत सिंह के अपने पैतृक गांव मिठ्ठापुर पहुंचने पर हॉकी पंजाब के अध्यक्ष एवं आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल हलका इंचार्ज नितिन कोहली के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया गया। मिठ्ठापुर हॉकी स्टेडियम में आयोजित समारोह के दौरान नितिन कोहली ने मनप्रीत सिंह और उनके परिवार को फूल–मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। नितिन कोहली ने कहा कि मनप्रीत सिंह ने 413 अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है, जो जालंधर, पंजाब और पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि मनप्रीत जैसे खिलाड़ी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं और उन्हें विश्वास है कि वह आने वाले समय में भी भारतीय हॉकी के लिए 100 से 150 और अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलकर देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने भारतीय टीम को आगामी सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं। अपने संबोधन में मनप्रीत सिंह ने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों को अपनाने की अपील की। उन्होंने केंद्र और पंजाब सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारों के सहयोग से गांवों में विकसित किए गए हॉकी मैदान खिलाड़ियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इन सुविधाओं के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और भारतीय हॉकी को मजबूत आधार मिल रहा है।

मनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्होंने अपनी हॉकी यात्रा मिठ्ठापुर के उसी मैदान से शुरू की थी, जिसे 'हॉकी का मक्का' कहा जाता है। आज उसी मैदान से निकलकर 413 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड बनाना उनके लिए गर्व और भावुकता का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके गांव, परिवार और देश को समर्पित है। मनप्रीत सिंह ने विश्वास जताया कि भारतीय हॉकी टीम आगामी विश्व कप, एशियन चौंपियंस ट्रॉफी, एशियन गेम्स और 2028 ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रो लीग में जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों के बेहतरीन तालमेल से टीम का मनोबल मजबूत हुआ है और भारत का ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का सपना अवश्य साकार होगा। भारतीय हॉकी टीम के फॉरवर्ड खिलाड़ी मनदीप सिंह ने मनप्रीत सिंह को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि 413 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना भारतीय हॉकी के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन भारत को विश्व कप और अन्य बड़े टूर्नामेंटों में सफलता दिलाएगा तथा ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी जल्द पूरा होगा। इस अवसर पर एसएसपी विजिलेंस एवं ओलंपियन हरप्रीत सिंह मंडेर, डिप्टी मेयर मलकीत सुभाना, एसीपी ट्रैफिक अजय सिंह, ओलंपियन संजीव कुमार, हॉकी पंजाब के सचिव अमरीक सिंह पवार, नवजोत सिंह, सुरिंदर सिंह, ओलंपियन मनदीप सिंह, सरबजीत सिंह साबी, कुलदीप सिंह, जोरावर सिंह, दविंदर संघा, हॉकी खिलाड़ी भूपिंदर सिंह तथा अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी तेजा सिंह सहित खेल एवं प्रशासनिक जगत की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

बीएसएफ के जवान सीमाओं के साथ–साथ जल के भी रक्षक : खन्ना

होशियारपुर। पूर्व सांसद व प्रकाश राय खन्ना श्रीमती कौशल्या देवी खन्ना मेमोरियल ट्रस्ट के चेयरमैन अविनाश राय खन्ना ने जल संरक्षण विषय पर बी.एस.एफ. कैंप खड़कां में जल संरक्षण विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का गत दिनों आयोजन किया था जिसमें प्रथम रहे जवानो को ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित किया गया। इस मौके खन्ना ने कहा की सीमा सुरक्षा बल के जवान न केवल सीमाओं के प्रहरी हैं बल्कि पर्यावरण तथा कुदरत की अनमोल देन जल के भी प्रहरी हैं जिन्होंने जल संरक्षण विषय पर अपने अपने विचार कागज पर निबंध के रूप में उतार कर अपनी पर्यावरण हितैषी सोच का प्रमाण दिया है। उन्होंने कहा के अगर सीमा सुरक्षा बल के जवान जल संरक्षण को अपने फर्ज का हिस्सा बनाएं तो निसंदेह भविष्य में भूमिगत जल की कमी से पैदा होने वाले गंभीर परिणामों से इस संसार को बचाया जा सकता है।

हरियाणा के बहादुरगढ़ में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ : लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शार्प शूटर ढेर, एक जवान गोली लगने से हुआ घायल

बहादुरगढ। हरियाणा के बहादुरगढ़ में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो कथित शार्प शूटर मारे गए। मारे गए बदमाशों की पहचान प्रवेश और हिमांशु के रूप में हुई है। दोनों पर एक–एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस दौरान पुलिस का एक जवान गोली लगने से घायल हो गया, जबकि चार अन्य जवानों की जान बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बच गई। एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि पिछले महीने हांसी में जिम संचालक कपिल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में हांसी सिटी थाने में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान प्रवेश और हिमांशु की पहचान मुख्य शूटरों के रूप में हुई, जिसके बाद दोनों पर एक–एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस स्पेशल सेल से मिली खुफिया सूचना एसटीएफ बहादुरगढ़ यूनिट के साथ साझा की गई थी। संयुक्त जांच में पता चला कि दोनों आरोपी आधुनिक हथियारों और भारी मात्रा में गोला–बारूद से लैस हैं तथा बहादुरगढ़ क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। पुलिस के अनुसार, घेराबंदी के दौरान दोनों आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एसटीएफ बहादुरगढ़ और काउंटर इंटेलिजेंस स्पेशल सेल की संयुक्त टीम ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ में दोनों शूटर गंभीर रूप से घायल हो गए।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, बुधवार 04 नवम्बर 2026 | पृष्ठ-6

२९वें वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव २०२६ की दूसरी संध्या में मधुर संगीत एवं मनमोहक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया





राउरकेला ०३/११ (संवाददाता): भंज कला केंद्र द्वारा भंज भवन, राउरकेला में आयोजित 29वें वेदव्यास संगीत नृत्योत्सव-2026 की दूसरी संध्या संगीत एवं नृत्य के मनमोहक संगम की साक्षी बनी। देश के विभिन्न हिस्सों की शास्त्रीय एवं लोक कला परंपराओं के जीवंत मिश्रण ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पश्चिमी रेंज, राउरकेला के पुलिस उप महा निरीक्षक (डी.आई.जी.) और आई.पी.एस. अधिकारी, श्री बृजेश कुमार राय ने मुज्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रघुनाथपाली के पूर्व विधायक श्री सुब्रत तराई सज़्माानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आर.एस.पी. के मुज्यक महा प्रबंधक, आर.एम. एच.पी. एवं अध्यक्ष, भंज कला केंद्र, श्री शुभ शंकर रायचौधरी, आर.एस.पी. के मुज्य. महा प्रबंधक (कॉन्ट्रैज्ट सेल) एवं उपाध्यक्ष, भंज कला केंद्र, श्री आलोक कुमार बेहेरा सहित राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) के कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ गुरु डॉ. अनिल कुमार दज़ा के मार्गदर्शन में भंज कला केंद्र के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मधुर गिटार वादन से हुआ। इसके पश्चात आंध्र प्रदेश से पधारे प्रज़्यात कुचिपुड़ी नृत्य गुरु डॉ. श्रीकांत एवं उनके दल ने मनमोहक कुचिपुड़ी नृत्य प्रस्तुत की। इस प्रस्तुति में शास्त्रीय नृत्य शैली की मनोहारी भाव-भंगिमाओं, भावपूर्ण कथात्मक अभिव्यक्ति एवं सूक्ष्मन पद संचालन का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। मयूरभंज के नीतुआपड़ा उज़र साही नृत्य अनुष्ठान द्वारा प्रस्तुत जीवंत छऊ नृत्य ने अपने ऊर्जावान पद संचालन, आकर्षक नृत्य संयोजन एवं विशिष्ट युद्धकला परंपरा से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। संध्या की एक अन्य विशेष प्रस्तुति असम से आए उत्साही कलाकारों के दल द्वारा प्रस्तुत बोडो लोकनृत्य रही। लयबद्ध नृत्य गतिविधियों, रंग- बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा एवं सामूहिक नृत्य संरचनाओं के माध्यम से इस प्रस्तुति ने बोडो समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। पांच दिवसीय इस राष्ट्रीय महोत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से आये अंतरराष्ट्रीय स्तटर के ज़्यातिप्राप्त कलाकार ने भाग ले रहे हैं। यह महोत्सव दर्शकों को शास्त्रीय नृत्य, संगीत तथा समृद्ध परंपरि ?क लोक सृत्य एवं जनजातीय प्रदर्शन कलाओं की विविधतापूर्ण उत्सव देखने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस महोत्सव का आयोजन भंज कला केंद्र द्वारा भंज कल्चरल ट्रस्ट के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भंज कला केंद्र के महा सचिव, श्री राधाकृष्ण महापात्र ने अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया तथा उद्घाटन समारोह का समन्वयन किया। कार्यक्रम का संचालन आर.एस.पी. के उप प्रबंधक (एस.एम.एस.-2), श्री शशांक शेखर पटनायक एवं सुश्री कोयना दस्तीदार ने किया। इस अवसर पर भंज कल्चरल ट्रस्ट के कई न्यासियों भी उपस्थित थे।

एमसीएल की छह खदानों को मिला कोयला मंत्रालय का ५-स्टार रेटिंग सम्मान



संबलपुर ०३/११ (संवाददाता): महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने कोयला मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए प्रदान किए गए स्टार रेटिंग पुरस्कारों में उल्लेखनीय उपलज़्धि हासिल की है। एमसीएल की कुल 14 कोयला खदानों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्टार रेटिंग से सज़्मानित किया गया है। इनमें पांच (05) खुली खदानें—लाजकुरा, सियारमल, अनंता, लिंगराज एवं समलेश्वरी खुली खदान तथा हिराखंड बुंदिया भूमिगत खदान को प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। श्री उदय अनंत काओले, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने रायपुर, छज़ीसगढ़ में आयोजित सज़्मान समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे द्वारा पुरस्कार प्राप्त किए। इस अवसर पर अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड तथा कोयला मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, पांच (05) खुली खदानों—गरजनबहाल, गोपालजी-कनिहा एज़्सपेंशन, भुवनेश्वरी, हिंगुला एवं जगन्नाथ कोलियरी तथा नंदिरा भूमिगत खदान को 4-स्टार रेटिंग से सज़्मानित किया गया है। वहीं, दो खुली खदानों—बसुंधरा वेस्ट ओसीपी एवं भरतपुर क्षेत्र को 3-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। इस उपलज़्धि पर सीएमडी श्री काओले ने एमसीएल टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सज़्मान सुरक्षित, सतत एवं प्रौद्योगिकी -आधारित खनन पद्धतियों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इसके साथ ही, राष्ट्र को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के हमारे संकल्प को भी प्रतिबिंबित करते हैं। एमसीएल परिचालन उत्कृष्टता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक कल्याण के क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रयासरत रहेगी। यह उपलज़्धि एमसीएल की परिचालन उत्कृष्टता, सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता एवं जिज़्मेदार खनन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। साथ ही, कुशल एवं सतत कोयला उत्पादन के माध्यम से राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के एमसीएल के संकल्प को और सुदृढ़ करती है।

वन विभाग ने बड़ी संख्या में लोगों की मौत पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए



संबलपुर ०३/११ (संवाददाता): बिजली के झटके से तीन हाथियों की मौत के बाद संबलपुर वन विभाग ने लगातार मानव.पशु संघर्षों के बीच हाथियों की मौतों को रोकने के लिए प्रयास शुरू किए हैं। मानव और हाथियों के बीच बढ़ता संघर्ष वन विभाग के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

फ़सल कटाई के मौसम मेंए हाथी अज़सर गांवों में घुस आते हैं और फ़सल को नुकसान पहुंचाते हैं। इसके कारण ग्रामीणों ने बिना सोचे.समझे अपनी फ़सलों की रक्षा के लिए अनैतिक तरीके अपनाए हैं, जिसके परिणाम स्वरूप अंतत: हाथियों की मौत हो जाती है। प्रभावी समाधानों की कमी के कारण मानव.हाथी संघर्ष लंबे समय तक जारी रहा हैए खासकर संबलपुर डिवीजन में। हाल ही में हुई एक त्रासदीए जिसमें नकटीदेउला वन रेंज के अंतर्गत बुरोमल के पास उच्च शक्ति वाले बिजली के तारों के संपर्क में आने से तीन हाथियों की मौत हो गईए ने वन अधिकारियों को गश्त बढ़ाने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए इसे व्यापक बनाने के लिए प्रेरित किया है। संबलपुर क्षेत्रीय मुज्य वन संरक्षक ;आरसीसीएफटी अशोक कुमार ने कहा कि वन क्षेत्रों में गश्ती दलों को बढ़ाया गया है और हाथियों की महत्वपूर्ण आवाजाही वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त गश्ती उपाय किए गए हैं।

लगभग 120 वन कर्मियों को विभिन्न स्थानों पर गश्त करने के लिए नियुक्त किया गया है। हाथियों के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों मेंए विशेष रूप से रेडाखोल वन प्रभाग मेंए 124 संवेदनशील गाँवों ;हॉटस्पॉट की पहचान की गई है। वन अधिकारीए टाटा पावर वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रीज़्यूशन लिमिटेड ;टीपीडज़्ल्यूओडीएल कर्मियों के सहयोग सेए अवैध बिजली कनेज़्शन और हुकिंग जैसे अनधिकृत विद्युत सेटअप की जाँच के लिए नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने के लिएए 400 समुदाय के सदस्योंए जिन्हें गजसाथी के रूप में जाना जाता हैए को हॉटस्पॉट में लगाया गया है। उन्हें हाथियों की गतिविधि की निगरानी, धान के खेतों की सुरक्षा और अवैध बिजली कनेज़्शन और हाथी से संबंधित जोखिमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने का काम सौंपा गया है। इस बहुआयामी दृष्टिकोण का उद्देश्य मानव.हाथी संघर्ष को कम करना और क्षेत्र में स्थानीय समुदायों और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सरकारी योजनाओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए सार्वजनिक संबोधन प्रणाली के माध्यम से नियमित जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

रिटायर्ड एग्जीज़्यूटिव इंजीनियर की 2.50 करोड़ रुपये की संपज़ि जज़्त

भुवनेश्वर ०३/११ (संवाददाता):यहां की एक ज़्ज़ी कोर्ट ने मंगलवार को एक रिटायर्ड एग्जीज़्यूटिव इंजीनियर की 2.50 करोड़ रुपये की आय से ज़्यादा संपज़ि ज़्ज़त करने का आदेश दिया। यह आदेश विजिलेंस केस में दोषी पाए जाने के बाद दिया गया। ज़्ज़ी कोर्ट (ऑथराइज़्ड ऑफिसर, स्पेशल कोर्ट, विजिलेंस, भुवनेश्वर) ने नबरंगपुर ज़िले के उमरकोट में R.W. डिवीज़्न के पूर्व एग्जीज़्यूटिव इंजीनियर (रिटायर्ड) सिमाद्री नायक की 2,50,44,029 रुपये की संपज़ि ज़्ज़त करने का आदेश दिया। इन संपज़ियों में चल और अचल दोनों तरह की संपज़ियां शामिल हैं। अचल संपज़ियों में रायगढ़ में एक मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग, नबरंगपुर में दो बिल्डिंग और ज़मीन के तीन प्लॉट शामिल हैं — एक रायगढ़ शहर में और दो नबरंगपुर शहर में। चल संपज़ियों में बैंक डिपॉज़िट और सोने के गहने शामिल हैं।

ओडिशा विजिलेंस की तरफ से जारी एक ऑफिशियल प्रेस रिलीज़ के मुताबिक, नायक और उनकी पत्नी पर प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एज़्ट, 1988 के सेज़्शन 13(2) के साथ 13(1)(द्ध) और ढ्ढक्रष्ट के सेज़्शन 109 के तहत चार्जशीट दायर की गई थी। उन पर कथित तौर पर उनकी इनकम के जाने-पहचाने सोर्स से ज़्यादा प्रॉपर्टी रखने का आरोप था। ट्रायल के बाद, स्पेशल कोर्ट, भुवनेश्वर के स्पेशल जज ने 11 दिसंबर, 2023 को नायक और उनकी पत्नी को इनकम से ज़्यादा प्रॉपर्टी रखने का दोषी ठहराया। इसके बाद की कार्रवाई में तय कोर्ट ने ज़्ज़त करने का ऑर्डर पास किया। ओडिशा विजिलेंस की तरफ से जारी एक ऑफिशियल प्रेस रिलीज़ के मुताबिक, नायक और उनकी पत्नी पर प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एज़्ट, 1988 के सेज़्शन 13(2) के साथ 13(1)(द्ध) और ढ्ढक्रष्ट के सेज़्शन 109 के तहत चार्जशीट दायर की गई थी।

गांजा तस्करी नाकाम, 16 लाख रुपये का प्रतिबंधित सामान जज़्त

जाजपुर ०३/११ (संवाददाता): जाजपुर जिले में एज़्साइज डिपार्टमेंट ने एक पिकअप गाड़ी से करीब 1 क्विंटल और 60 किलोग्राम गांजा ज़्ज़त किया, जब इस प्रतिबंधित सामान की तस्करी बौध से पश्चिम बंगाल की जा रही थी। यह ऑपरेशन कुआखिया-पनिकोइली रोड पर किया गया, जहाँ एज़्साइज अधिकारियों ने खास जानकारी मिलने के बाद गाड़ी को रोका।

अधिकारियों के अनुसार, तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए गांजे को पानी की बोतलों की खेप के रूप में छिपाकर ले जाने की कोशिश की। हालांकि, सतर्क एज़्साइज टीम ने पिकअप गाड़ी को जांच के लिए रोका और उसके अंदर छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामान बरामद किया। तस्करी ऑपरेशन में शामिल दो लोगों को मौके पर ही गिरज़्तार कर लिया गया। ज़्ज़त किए गए गांजे की कीमत अवैध बाज़ार में लगभग 16 लाख रुपये बताई जा रही है। तस्करी के लिए इस्तेमाल की गई पिकअप गाड़ी को भी ज़्ज़त कर लिया गया है।

एज़्साइज इंस्पेज़्टर नारायण बेहरा ने कहा, हमें जाजपुर में गांजा तस्करी के बारे में खास जानकारी मिली थी और हमने तुरंत कार्रवाई की। गाड़ी को रोका गया और लगभग 1.5 क्विंटल गांजा, जिसकी कीमत लगभग 16 लाख रुपये है, ज़्ज़त किया गया।

बालासोर की ओर जा रही गाड़ी को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया, जिससे तस्करी की कोशिश नाकाम हो गई। रैकेट के अन्य सदस्यों की पहचान करने और प्रतिबंधित सामान के स्रोत और मंज़िल का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

कंधमाल के गिडीपाली में भूस्खलन के बाद १२ लोग लापता, १७० बचावकर्मी खोज में जुटे



कंधमाल ०३/११ (संवाददाता): ओडिशा सरकार ने गंजाम और कंधमाल जिलों की सीमा पर स्थित एक गांव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद लापता हुए 12 लोगों की तलाश के लिए एक अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। विशेष राहत आयुक्त राजेश पी. पाटिल ने बताया कि लापता लोगों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआर एफ), ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और विशेष अभियान समूह (एसओजी) के कुल 170 कर्मियों को तैनात किया गया है। पाटिल ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, पहाड़ी पर स्थित इस गांव में 26 लोग रहते थे। इनमें से 13 लोग भूस्खलन से बचकर निकलने में सफल रहे, जबकि 13 लापता हो गए। लापता लोगों में से एक का पता लगा लिया गया है, जबकि अन्य का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। शुक्रवार रात से ही तलाशी अभियान जारी है। गंजाम जिले के भंजनगर ज़्लॉक के बैबली पंचायत अंतर्गत गिड़ीपबाली गांव में हुआ भूस्खलन चक्रवात 'अर्नब' के कारण लगातार हुई बारिश के दौरान हुई ऐसी 10 घटनाओं में से एक था। भारी बारिश के कारण राज्य के दक्षिणी हिस्से के सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए। विशेष राहत आयुक्त ने बताया कि शुक्रवार को कंधमाल जिले में भूस्खलन की एक घटना में नौ महीने के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि गजपति जिले में भी एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। मुज्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि गंजाम समेत बाढ़ प्रभावित जिलों में बचाव एवं राहत अभियान तेज कर दिए गए हैं और लोगों की सुरक्षा तथा कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

माझी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और राहत शिविरों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रशासन और बचाव दल प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलज़्ध कराने में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।'' वहीं, विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर कहा कि चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव के कारण ओडिशा के कंधमाल जिले में हुए भूस्खलन की घटना में कई लोगों की जान जाने और अनेक लोगों के लापता होने की खबर से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने कहा, ''मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं और जनजीवन सामान्य बनाने की दिशा में प्रयास तेज किए जाये।'' गिड़ीपबाली गांव में भूस्खलन से बचकर निकले 13 लोगों ने कंधमाल जिले के जी. उदयगिरि के निकट एक राहत केंद्र में शरण ली है। कंधमाल के जिलाधिकारी वेदभूषण ने बताया कि इन लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं। राहत केंद्र में मौजूद रीनीमा मलिक ने कहा, पहाड़ी से भारी मात्रा में कीचड़ और मलबा तेजी से नीचे आया, जिसने घरों को अपनी चपेट में लेकर पूरे गांव को तबाह कर दिया। मलिक ने कहा, हममें से कुछ लोग किसी तरह वहां से भागने में सफल रहे और बाकी लोग भी हमारे पीछे आ रहे थे, लेकिन वे यहां तक नहीं पहुंच सके। एक अन्य जीवित बची महिला सौदामिनी मलिक ने बताया कि उनके कुछ रिश्तेदार अब भी लापता हैं। उन्होंने प्रशासन से उनकी जान बचाने की अपील की। उन्होंने दावा किया, जो लोग बचकर निकले हैं, उन सभी को पत्थरों की चोट लगने से चोटें आई हैं। जी. उदयगिरि के प्रखंड विकास अधिकारी सत्यनारायण मिश्रा ने बताया कि घायल महिलाओं समिता मलिक और मनीमा प्रधान को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। गंजाम के जिलाधिकारी वी. कीर्ति वासन ने कहा कि आस्का और जिले के अन्य हिस्सों में राहत कार्य तेज कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, स्थिति सामान्य करने के लिए समन्वित प्रयासों के चलते आस्का में हालात में सुधार हो रहा है।